

## फॉकलैंड द्वीप संबंधी विवाद

### प्रलिस के लयि:

फॉकलैंड द्वीप की अवस्थति

### मेन्स के लयि:

भारत के हतियों पर देशों की नीतयियों और राजनीतिका प्रभाव, भारत और इसके पड़ोसी ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में बरटिन ने चीन के उस बयान को खारज़ि कर दया जसिमें फॉकलैंड द्वीप समूह पर अर्जेटीना के दावे के समर्थन की पुष्टि की गई थी ।

- इससे पहले चीन और अर्जेटीना ने एक संयुक्त बयान जारी कया जसिमें कहा गया कि चीन "माल्वनास द्वीप (फॉकलैंड द्वीप) पर पूर्ण संप्रभुता की अर्जेटीना की मांग के संदर्भ में इस क्षेत्र के लयि अर्जेटीना नाम का उपयोग करते हुए अपने समर्थन की पुष्टि करता है ।



## फॉकलैंड द्वीप:

- फॉकलैंड द्वीप समूह, जसि माल्वनास द्वीप या स्पेनशि इस्लास माल्वनास भी कहा जाता है, दक्षिण अटलांटिक महासागर में यूनाइटेड किंगडम का आंतरिक स्वशासी समुद्रपारीय क्षेत्र है ।
- यह दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी सरि से लगभग 300 मील उत्तर पूर्व में और मैगलन जलडमरूमध्य के पूर्व में स्थति है ।
- पूर्वी फॉकलैंड पर राजधानी और प्रमुख शहर स्टेनली स्थति है, यहाँ कई बखिरी हुई छोटी बस्तयियाँ और साथ ही एक रॉयल एयरफोर्स बेस भी है जो माउंट प्लेजेंट में स्थति है ।
- फॉकलैंड द्वीप दो मुख्य द्वीप ईस्ट फॉकलैंड और वेस्ट फॉकलैंड एवं लगभग 200 छोटे द्वीपों का हसिसा है । फॉकलैंड द्वीप समूह की सरकार दक्षिण जॉर्जिया और दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह के ब्रिटिश समुद्रपारीय क्षेत्र का भी संचालन करती है, जसिमें शैग और क्लर्क चट्टानें शामिल हैं ।

## फॉकलैंड द्वीप समूह का इतहास:

- फॉकलैंड को पहली बार अंग्रेजों द्वारा वर्ष 1765 में बसाया गया था, लेकनि उन्हें वर्ष 1770 में स्पेन द्वारा खदेड़ दया गया था, जनिहोंने 1767 के

आसपास फ्रॉंसीसी बस्ती को खरीद लिया था ।

- युद्ध की धमकी के बाद वर्ष 1771 में वेस्ट फॉकलैंड पर ब्रिटिश चौकी को बहाल कर दिया गया था, लेकिन फरि फॉकलैंड पर अपना दावा किये बनि आर्थिक कारणों से ब्रिटिश वर्ष 1774 में द्वीप से हट गए ।
- स्पेन ने वर्ष 1811 तक पूरवी फॉकलैंड (जसि सोलेदाद द्वीप भी कहा जाता है) को लेकर एक समझौता कया ।
- वर्ष 1820 में अर्जेंटीना सरकार, जसिने वर्ष 1816 में स्पेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी, ने फॉकलैंड पर अपनी संप्रभुता की घोषणा की ।
- वर्ष 1831 में अमेरिकी युद्धपोत ने पूरवी फॉकलैंड पर अर्जेंटीना की बस्ती को नष्ट कर दिया, जो इस क्षेत्र में सील का शिकार करते थे ।
- वर्ष 1833 की शुरुआत में एक ब्रिटिश सेना ने बनि गोली चलाए अर्जेंटीना के अधिकारियों को द्वीप से नषिकासति कर दिया । वर्ष 1841 में फॉकलैंड में एक ब्रिटिश नागरिक को लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में नियुक्त कया गया और वर्ष 1885 तक इन द्वीपों पर लगभग 1,800 लोगों का एक ब्रिटिश समुदाय बस गया ।
  - अर्जेंटीना ने द्वीपों पर ब्रिटिन के कब्जे का लगातार वरिोध कया ।
- **द्वितीय विश्व युद्ध** (1939-45) के बाद फॉकलैंड द्वीपों पर संप्रभुता का मुद्दा तब **संयुक्त राष्ट्र (UN)** में स्थानांतरति हो गया, जब वर्ष 1964 में द्वीपों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र समिति द्वारा उपनिवेशवाद पर बहस शुरू की गई थी ।
- वर्ष 1965 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विवाद का शांतपूरण समाधान** खोजने हेतु ब्रिटिन और अर्जेंटीना को वचिार-वमिर्श के लिये आमंत्रति करने वाले एक प्रस्ताव को मंजूरी दी ।
- इस मुद्दे पर फरवरी 1982 में **चर्चा चल ही रही थी की अप्रैल में अर्जेंटीना की सैन्य सरकार ने फॉकलैंड पर आक्रमण** कर दिया ।
- इस कार्रवाई के कारण फॉकलैंड द्वीप में युद्ध शुरू हो गया जो 10 सप्ताह बाद **स्टेनली में अर्जेंटीना की सेना के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त** हुआ ।
- हालाँकि ब्रिटिन और अर्जेंटीना ने वर्ष 1990 में पूरण राजनयिक संबंधों को फरि से स्थापति कया, लेकिन दोनों देशों के मध्य संप्रभुता का मुद्दा विवाद का वषिय बना रहा ।
- 21वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिन ने द्वीप पर करीब 2,000 सैनिकों की तैन्ती को जारी रखा ।
- जनवरी 2009 में एक नया संविधान लागू हुआ जसिने फॉकलैंड की स्थानीय लोकतांत्रिक सरकार को मजबूती प्रदान की और इस क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति को नरिधारति करने के लिये वहाँ रहने वाले लोगों के अधिकारों को सुरक्षति कया । मार्च 2013 में आयोजति एक जनमत संग्रह में फॉकलैंड द्वीप ने ब्रिटिश क्षेत्र बने रहने के लिये लगभग सर्वसम्मति से मतदान कया ।

## फॉकलैंड द्वीप पर वभिन्नि दावों का आधार:

- वर्ष 1493 के एक आधिकारिक दस्तावेज के आधार पर अर्जेंटीना ने फॉकलैंड पर अपना दावा प्रस्तुत कया जसिटॉर्डेसलिस की संधि (1494) द्वारा संशोधति कया गया । इस संधि के तहत स्पेन और पुर्तगाल ने द्वीपों की दक्षिण अमेरिका से नकिटता, स्पेन का उत्तराधिकार, औपनिवेशिक स्थिति को समाप्त करने की आवश्यकता के आधार पर नई दुनिया को आपस में बाँट लिया ।
- वर्ष 1833 से ब्रिटिन ने फॉकलैंड द्वीप पर अपने "स्वतंत्र, नरितर, प्रभावी कब्जे, व्यवसाय और प्रशासन" के आधार पर दावा प्रस्तुत कया जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मान्यता प्राप्त आत्मनरिणय के सिद्धांत को फॉकलैंडर्स पर लागू करने के अपने दृढ़ संकल्प पर आधारति था ।
  - ब्रिटिन ने ज़ोर देकर कहा कि औपनिवेशिक स्थिति को समाप्त करने से अर्जेंटीना के शासन और उसकी इच्छा के वरिुद्ध फॉकलैंड के नागरिकों के जीवन पर नरितरण की स्थिति उत्पन्न होगी ।

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस